

वेलम्मा

कथा प्रारम्भ

कथाकार : सैम

कलाकार : इल्श वैसिनर



प्रकाश की मम्मी वेलम्मा से
बात कर रही हैं..

वेलम्मा, कल की यात्रा के
लिए सबने अपना सामान
दाँध लिया है?

हां, वे सब तैयार हैं,
तुम्हारी और राजेश की
तैयारी हो गई?

हां हो गई !
काश कि आप भी हमारे साथ
चलती ! वहां हमें आपकी याद
आएगी..

अगर उनकी परीक्षाएं
ना होती तो मैं भी
सबके साथ चलती !

प्रकाश को कहना कि जैसे ही
आप घर से निकलें, वह हमारे पास
आ जाए ताकि रात का खाना
हमारे साथ खा ले !

हां, वैसे भी उसे
आपके हाथ का खाना
अच्छा लगता है.
नमस्ते !

नमस्ते !

रविवार को..

मेरे लिए
वहां से अवश्य
कुछ लाना !



अन्ततः मैं कुछ समय
बेलम्मा आंटी के साथ
रह सकूंगा !



डिब्बा
डोंब



आओ बेटा !













वेलम्मा के घर में...

प्रकाश,
तुम्हारा परचा
कैसा हुआ?

बढ़िया हुआ
आंटी..

ठीक है,
कपड़े बदल लो,
मैं तुम्हारे लिए
कुछ खाने के लिए
लाती हूँ..

इनके रसीले
स्तन तो देखो.. इन्हें
मसलने का कोई तरीका
बूझना पड़ेगा..

मैं आपकी मदद
करता हूँ आंटी..

अगली सुबह



प्रकाश,
क्या रात को
तुम्हें
अच्छी नींद
आई?

हां आंटी,
क्यों?

तुम थके थके
से दिख
रहे हो..

शायद ज्यादा
पढ़ने के कारण !

मैं हर रोज परचा देकर आने के बाद
तुम्हारे सिर की मालिश किया करूंगी



शुक्रिया आंटी,
इससे मुझे काफी
आराम मिलेगा



आह..
आनन्द आ गया..

दूसरे दिन की
परीक्षा के बाद



मुझे बाजार लाने के लिए
शुक्रिया प्रकाश !

मुझे भी अच्छा
लगा आंटी

सड़क
खराब है
आंटी

वाह !
इनके स्तन मेरी पीठ पर
दब गए,
मजा आ गया

Screech

तीसरे दिन की
परीक्षा के बाद



आप क्या
कर रही है
आंटी?

प्रकाश का
शरीर मेरी गाण्ड से
छू रहा है?
गलती से हो गया
होगा !

शनिवार की शाम

बाय मम्मी..
प्रकाश, तुम भी वारंगल मेले
के लिए पंजीकरण करवा लेते
तो दोनों साथ चलते ! मुझे
अकेले जाना पड़ रहा है..

लेकिन मेरा कोई भी
दोस्त नहीं जा रहा था तो
मैंने छोड़ दिया..



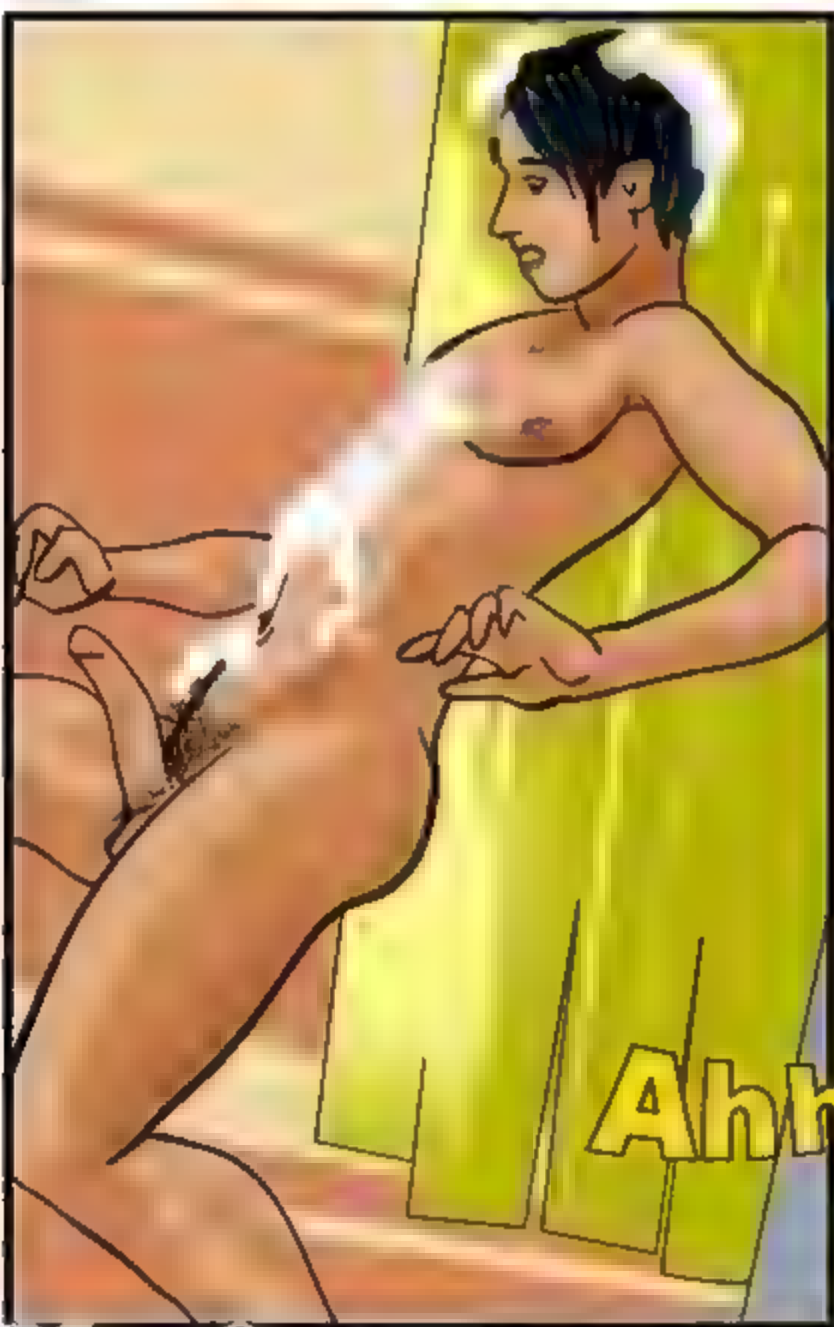
बाय !
मेरे दोस्त इन्तजार
कर रहे हैं..

उसी रात

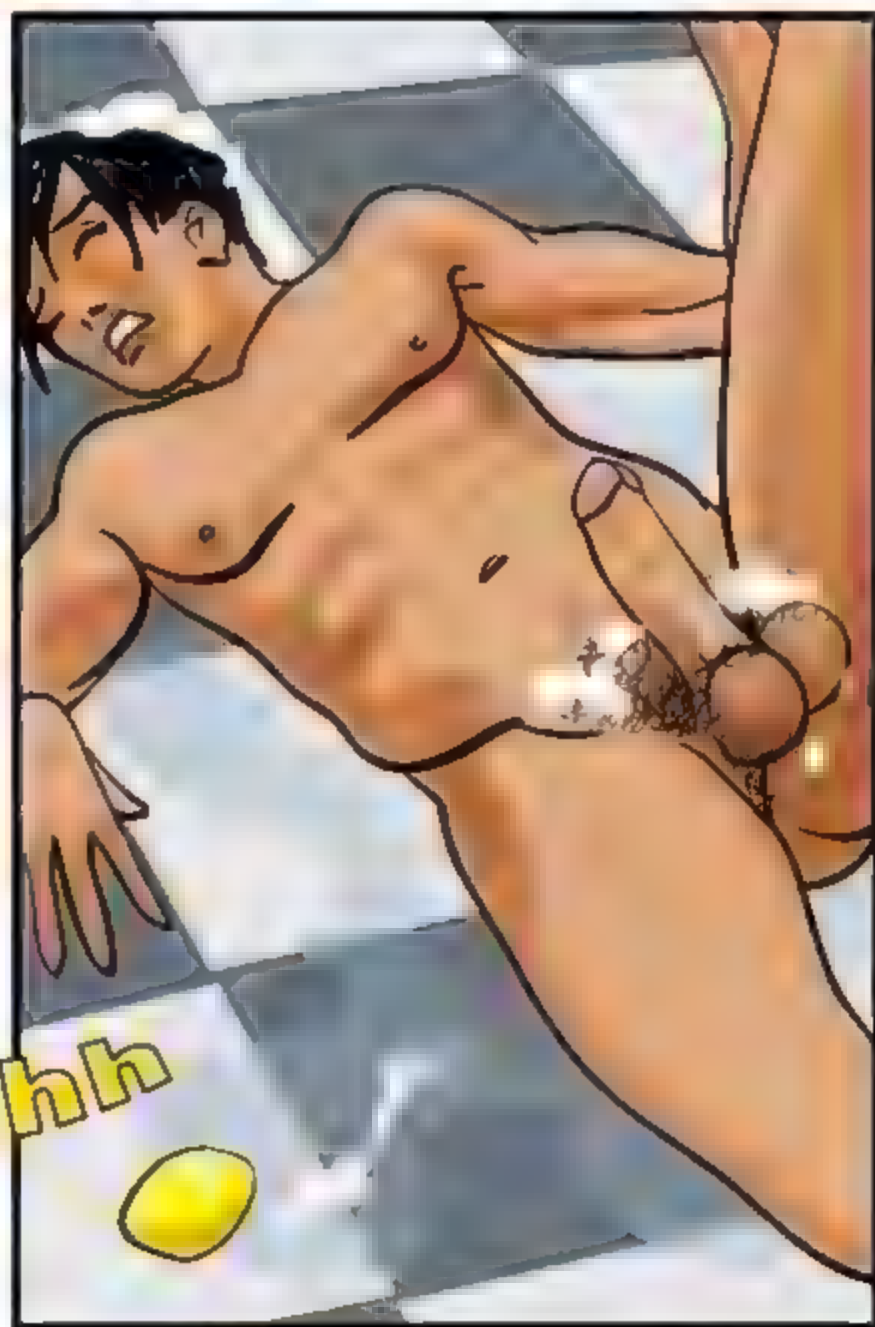


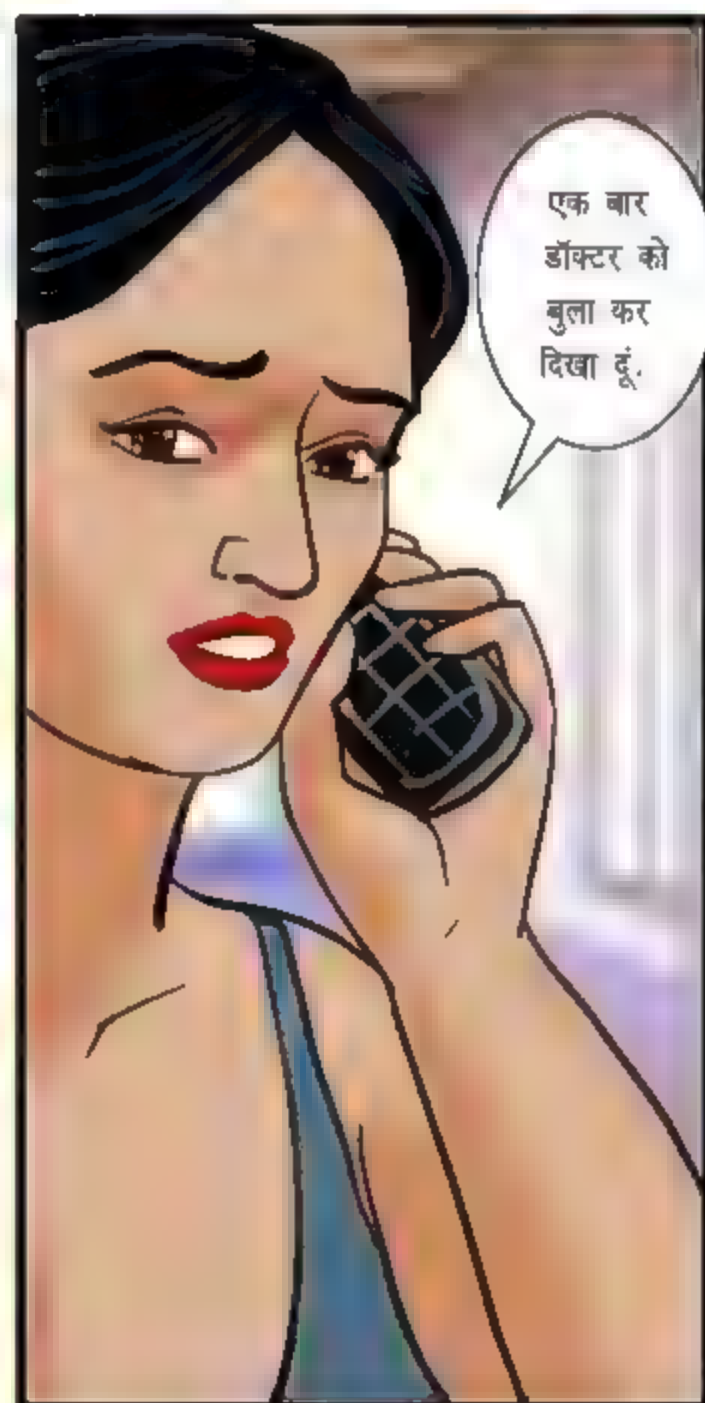
अगली सुबह

आह..
वेलम्मा आंटी !



Ahhhh





अगर तुम
गीला तौलिया नहीं हटाओगे
तो तुम्हें ठण्ड लग जाएगी,
डॉक्टर के आने से पहले मैं
तुम्हें साफ कर दूँ..

कोई लेकिन येकिन नहीं..
जब तुम छोटे थे तो मैंने तुम्हें
कई बार नहलाया है
इसलिए अब चुप रहो..

लेकिन आंटी,
मैं कर लूंगा..

लेकिन आंटी,
मैं अब बच्चा
नहीं रहा..

मेरे लिए तो तुम
बच्चे ही रहोगे..अगर तुम्हें
शर्म आती है तो अपनी
आंखें बंद कर लो.



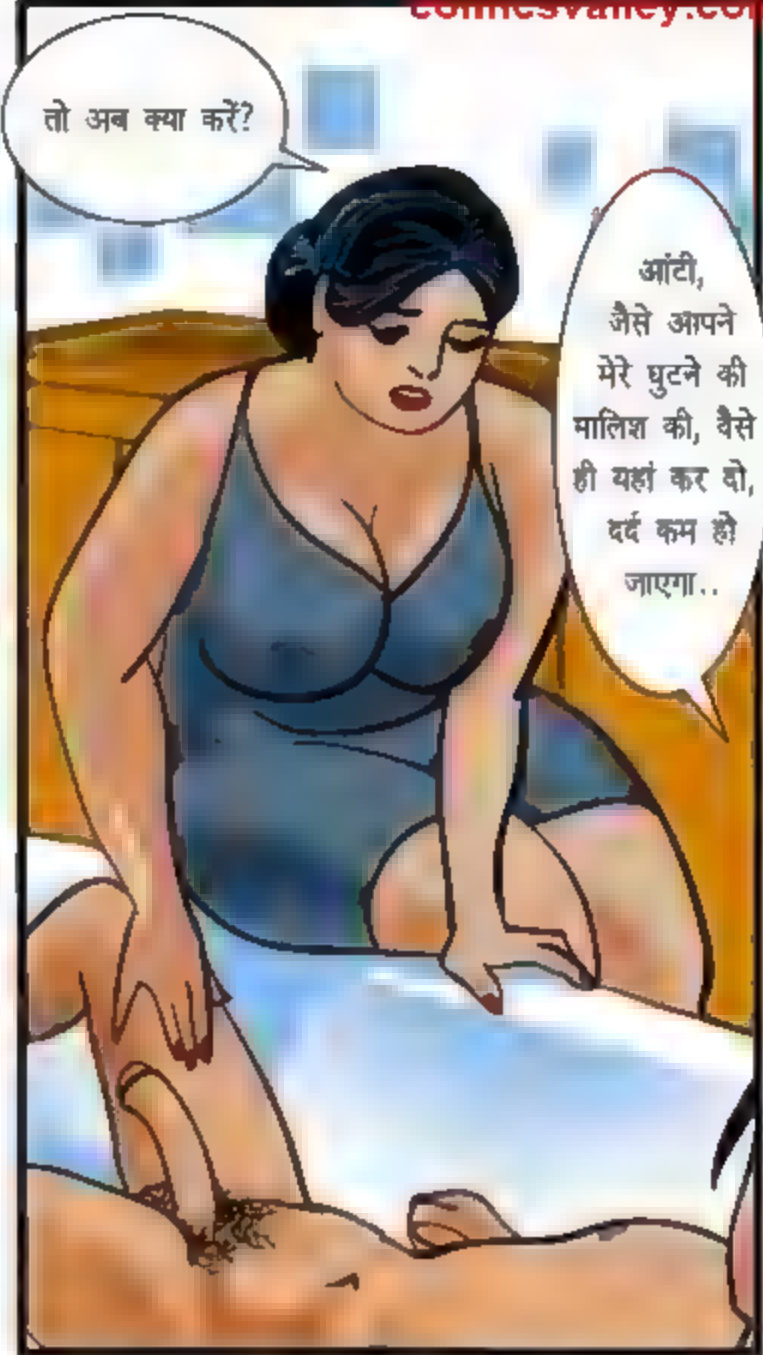














देखते हैं अगर
मालिश से दर्द कम
होता है तो..



वाह..
अंततः आंटी के हाथ मेरे लीढ़े
पर आ ही गए, बिल्कुल वैसे
जैसे मैं चाहता था..

Lurp
Lurp





आंटी करती रहे ..
थोड़ा और जोर डाल कर
करो आंटी..





ओह..
आंटी..

शुरुआत ?